राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर

[स्रोत: पी.आई.बी](#)

हाल ही में **केंद्रीय मंत्रिमंडल ने** गुजरात के **लोथल** में **राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC)** के विकास को मंजूरी दी है।

- इसे भारत की **4,500 वर्ष पुरानी समुद्री विरासत को** प्रदर्शित करने के लिये **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW)** द्वारा विकसित किया जाएगा।
- **इस मंत्रालय के** अधीन **दीपस्तंभ और दीपपोत महानिदेशालय (DGLL) दीपस्तंभ संग्रहालय** के निर्माण के लिये धन उपलब्ध कराएगा, जो **विश्व का सबसे ऊँचा** संग्रहालय होगा।
- **लोथल: यह गुजरात के भाल क्षेत्र** में स्थित हड़प्पा सभ्यता के **सबसे दक्षिणी स्थलों** में से एक है।
  - **ऐसा माना जाता है कि इसका निर्माण 2,200 ई.पू.** में हुआ था। लोथल में विश्व का सबसे पुराना ज्ञात**डॉक था, जो शहर को साबरमती नदी** के प्राचीन मार्ग से जोड़ता था।
  - **लोथल को अप्रैल 2014 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** के रूप में नामित किया गया था।
  - लोथल की खोज वर्ष 1954 में **एस.आर. राव ने की थी।**
- **सुरकोटदा और धोलावीरा** गुजरात के अन्य महत्वपूर्ण हड़प्पा स्थल हैं।

और पढ़ें: लोथल: विश्व का सबसे पुराना ज्ञात बंदरगाह

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-maritime-heritage-complex-2